

संपादकीय

सीएए: सवाल दर सवाल

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) पर सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर की है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैश्लेट जेरिया की ओर से दायर इस याचिका में कहा गया है कि वह इस मामले में मानवाधिकारों की रक्षा करने, उसे बढ़ावा देने और उस संबंध में आवश्यक वकालत करने के लिए मिले अधिदेश (मैटेट) के आधार पर व्यायामित्र (तीसरे पक्ष) के तौर पर हस्तक्षेप करना चाहती है। उनकी दलील है कि भारत जनतंत्र और मानवाधिकारों के मामले में सभी अंतर्राष्ट्रीय मानवंडों का पालन करता रहा है और भारतीय संविधान जनतंत्र और समनवा का पक्षधर है, लेकिन यह कानून कहीं न कहीं इन मूर्त्यों से मेल नहीं खाता। कोर्ट से उनका आग्रह इस बात की जांच करने का है कि यह कानून जनतंत्रिका और हर किसी को समान नजरिए से देखने की मूल भावना के अनुरूप है या नहीं। ऐसा पहली बार हुआ है जब यूएनएचआरसी ने भारत के किसी कानून के खिलाफ उसकी शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इसके पहले 27 फरवरी को यूएनएचआरसी उच्चायुक्त कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट में कथीरी और सीएए, दोनों पर गहरी चिंता जताई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि 'भारत में बहुत बड़ी तादाद में लोगों ने सीएए का विरोध किया है और इनमें सभी समुदायों के लोग शामिल हैं। यह विरोध मोटे तौर पर शांतिपूर्ण रहा है मगर चिंता की बात है कि पुलिस ने इन विरोध प्रदर्शनों से निपटने में ज्यादतियां की हैं। इसके बाद सांप्रदायिक दंगे हुए, जिनमें लोग मारे गए हैं' मानवाधिकार उच्चायुक्त ने यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को सौंपी है। बहरहाल, सीएए के मामले में यूएनएचआरसी की इस पहल पर भारत सरकार ने गहरी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि हमारा रणनीति रूप से मानवा है कि भारत की संप्रभुता से जुड़े मुँहों पर किसी विदेशी पक्ष का कोई अधिकार नहीं बनता। भारत का रुख साफ है कि सीएए संवैधानिक रूप से सही है। एक बात तय है कि पिछले साल दिसंबर में पारित नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) देश में अब तक पारित सबसे विवादापद कानूनों में से एक है। यह ऐसा कानून है जिसका बढ़-चढ़कर विरोध और समर्थन, दोनों हो रहा है। विरोध की घटनाएं देश के बाहर भी देखी जा रही हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं इसे भेदभावपूर्ण मानती हैं। अभी पिछले महीने यूरोपीय संसद में सीएए को लेकर पेश पांच विभिन्न संकल्पों से संबंधित संयुक्त प्रस्ताव पर मतदान होना था, जिसे ऐन मौके पर टाल दिया गया। यह वाकई एक असाधारण मौका है, जब बाहर के लोग हमें याद दिला रहे हैं कि एक कानून के कारण हम अपने चिर-परिचित राष्ट्रीय चरित्र से दूर जा रहे हैं। बहरहाल, सीएए को लेकर कई तरह की याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई हैं।

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना- राशिफल

यस बैंक पर आरबीआई के फैसले से हड़कंप, एटीएम पर लंबी कतारें

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा यस बैंक पर पांचवीं लगाए जाने के बाद बैंक के परेशान जमाकर्ताओं को एटीएम से धन निकालने में मुश्किलों का समान करना पड़ा। लंबी कतारों में खड़े जमाकर्ताओं को कहीं मरीने बढ़ पड़ी मिलीं तो कहीं एटीएम में धन नहीं था।

इस बैंक नकदी संकट से जूझ रहे यस बैंक में निवेश के लिए एसबीआई बोर्ड ने 'सेंद्रियिक' स्वीकृति दे दी है। यस बैंक के ग्राहकों की मुसीबत और



» ई-बैंकिंग भी नहीं कर पा रहे लोग

बड़े गई जब उन्हें इंटरनेट बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से धन स्थानांतरित करने में भी असुविधा झेलनी पड़ी।

बता दें कि वित्तीय संकट से जूझ रहे

के लिए एसबीआई के पूर्व डीएमडी और बैंक में एक से ज्यादा खाते हैं तो भी 50 हजार से ज्यादा धनराशि नहीं निकाली जा सकती। सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों को जूनी के संकट से जूझ रहे यस बैंक को खरीदने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए जूनी दी दी है। उच्च स्तरीय सूची ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस संबंध में जल्द ही कोई घोषणा की जा सकती है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता संस्थान एसबीआई की बृहस्पतिवार को मुंबई में बैठक भी हुई।

यह बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक ने पैसा निकालने की ऊपरी सीमा निर्धारित कर दी है। इसके तहत खाताधारक अब यस बैंक से 50 हजार रुपये से ज्यादा रकम नहीं निकाल सकते। निकासी की यह सीमा तीन अप्रैल, 2020 तक लगा रहेगी। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने यस बैंक के निदेशक मंडल के अधिकारों पर रोक लगाते हुए एक महीने से ज्यादा धनराशि नहीं निकाली जा सकती। इसके अलावा यदि किसी के

शुरुआती कारोबार में

रुपया 65 पैसे कमज़ोर

मुंबई (आरएनएस)। वैश्विक अर्थीक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच शुरुआती कारोबार में शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 65 पैसे टूटकर 73.99 पर खुला। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार कोरोना व्यापर के बढ़ते प्रकार से वैश्विक शेयर बाजार नुकसान में चल रहे हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक के येस बैंक पर रोक लगाने और उसके निदेशक मंडल को भंग करने से भी बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। घरेलू शेयर बाजारों की थीमी शुरुआत और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार नुकसान में चल रही है। बीसीसीआई ने इसे लेकर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि आईपीएल 2020 जारी रहेगा और कोरोना व्यापर को साक कर दिया कि आईपीएल अॉन है और बोर्ड 29 राशि से शुरू हो रहे इस टूटाएंट के सुचारू आयोजन को लेकर हर जरूरी कदम उठाने की तैयारी।

सीएए कोरोना व्यापर के कहानी से भी रुपये पर दबाव है। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 70 पैसे टूटकर 73.33 पर बढ़ रहा था। अर्थात् आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने गुरुवार को शेयर बाजारों से 2,476.75 करोड़ रुपये की निकासी की।

कोरोना व्यापर को लेकर बीसीसीआई करेगा पूरी तैयारी: गांगुली

» आईपीएल 2020 का आयोजन होगा

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना व्यापर का कहर भारत भी पहचान चुका है। ऐसे में सबसे यह है कि क्या इस महामारी के बीच ईडंडन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2020 संस्करण का आयोजन होगा। बीसीसीआई ने इसे लेकर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि आईपीएल 2020 जारी रहेगा और कोरोना व्यापर को साक कर दिया कि आईपीएल अॉन है और बोर्ड 29 राशि से शुरू हो रहे इस टूटाएंट के सुचारू आयोजन को लेकर हर जरूरी कदम उठाने की तैयारी।

यह पूछे जाने पर कि बोर्ड किस तरह कोरोना व्यापर से निपटने के लिए तैयार है और क्या अंडर्सनी और एहतियात बरतने के लिए सकार के निर्देशों का पालन करने के लिए कानून की सम्बंध में हर जरूरी कदम उठाने की तैयारी।



दिल्ली में 2 दिनों में 30 पैसे लीटर सरता हुआ पेट्रोल, डीजल 22 पैसे

13 पैसे, जबकि मुंबई में 14 पैसे प्रति लीटर की कीमतों में कटौती की जा रही है। बैंचमार्क के अनुसार, दिल्ली के इन दो दिनों में पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 22 पैसे प्रति लीटर हुआ है। तेल विपणन कंपनियों के शुक्रवार को पेट्रोल के लीटर पर लीटर प्रति लीटर हो गया। चारों महानगरों में डीजल का भाव भी घटकर क्रमशः 71.14, 73.82, 76.83 और 73.91 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव 46 डॉलर प्रति लीटर के नीचे तक फिल्स चूका है। कोरोना व्यापर का प्रकार पुनर्याप्ति के फैलने के कारण कच्चे तेल के दाम पर फिल्स लीटर हो गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में आई गिरावट के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की जा रही है। बैंचमार्क के अनुसार, दिल्ली के बाजार में चेन्नई में 50 डॉलर प्रति लीटर बैंक वैश्विक बाजार में 50 हजार रुपये प्रति लीटर हो गया है। बैंचमार्क के अनुसार दिल्ली के बाजार में चेन्नई 16 पैसे प्रति लीटर हो गया है। डीजल की कीमत में दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई की जीवन की व्यवस्था का असर हो गया है।

के दाम में आई गिरावट के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की जा रही है। बैंचमार्क के अनुसार, दिल्ली के बाजार में चेन्नई में 50 हजार रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव भी घटकर क्रमशः 71.14, 73.82, 76.83 और 73.91 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव भी घटकर क्रमशः 46.81, 48.10, 49.18, 50.16 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव 46 डॉलर प्रति लीटर के नीचे तक फिल्स लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव 46.81, 48.10, 49.18, 50.16 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव 46 डॉलर प्रति लीटर के नीचे तक फिल्स लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव 46.81, 48.10, 49.18, 50.16 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों में डीजल का भाव 46 डॉलर प्रति लीटर के नीचे तक फिल